दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने रोहड़ू में राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्रार्थना सभा में लिया भाग

हिमाचल को शिक्षा के क्षेत्र में देश में नंबर एक स्थान पर पहुंचाना लक्ष्य : डॉ. राजेश शर्मा

फीडबैक अभियान के तहत छात्रों से किया संवाद तथा शिक्षकों के साथ बैठक कर उनकी अपेक्षाओं और सुझावों को भी जाना

सवेरा न्यूज/प्रदीप राही

रोहड़ू, 8 जून : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने कहा है कि बोर्ड का लक्ष्य हिमाचल प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में देश में नंबर एक स्थान पर पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से वह प्रदेश भर के स्कूलों का दौरा कर छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से सीधे फीडबैक ले रहे हैं, ताकि शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जा सकें।

रोहड़ू दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि एक जुलाई को बोर्ड अध्यक्ष के रूप में उनका एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। इस दौरान बोर्ड ने सफलतापूर्वक परीक्षाओं का आयोजन किया और इस बार छात्रों का प्रदर्शन भी बेहतर रहा। उन्होंने बताया कि नकल के मामलों में कमी आई है तथा परीक्षा परिणामों की गुणवत्ता में सुधार देखने को मिला है।

पत्रकारों से बातचीत करते स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा।

उन्होंने कहा कि धर्मशाला से शुरू किए गए इस फीडबैक अभियान के तहत वह प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। रोहड़ू में उन्होंने राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्रार्थना सभा में भाग लिया, छात्रों से संवाद किया तथा शिक्षकों के साथ बैठक कर उनकी अपेक्षाओं और सुझावों को जाना।

डॉ. शर्मा ने बताया कि वर्ष 2021 में हुए राष्ट्रीय सर्वेक्षण में हिमाचल प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में 25वें स्थान पर था, जबकि हालिया सर्वेक्षण में प्रदेश पांचवें स्थान पर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि महत्वपूर्ण है, लेकिन वह इससे संतुष्ट नहीं हैं और प्रदेश को शीर्ष स्थान पर ले जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बोर्ड की सभी सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से डिजिटल बनाया जा रहा है। छात्रों के प्रमाणपत्र डिजिलॉकर पर उपलब्ध हैं और सत्यापन की प्रक्रिया भी ऑनलाइन की गई है। इससे विद्यार्थियों और अभिभावकों को काफी सुविधा मिल रही है। नई शिक्षा नीति के संबंध में उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश इसे प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। डॉ. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के निर्देशानुसार स्थानीय संस्कृति, लोक परंपराओं, स्वतंत्रता सेनानियों और देव संस्कृति से संबंधित विषयों को भी विद्यार्थियों तक पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके लिए एक समिति गठित की गई है जो अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका दौरा किसी चयनित स्कूल तक सीमित नहीं है। वह बिना पूर्व सूचना के स्कूलों में पहुंचकर वास्तविक स्थिति का आकलन कर रहे हैं, ताकि जमीनी स्तर की समस्याओं को समझकर उनका समाधान किया जा सके।

डॉ. शर्मा ने छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और मीडिया से शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए सुझाव देने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणाम तभी संभव हैं जब संवाद और फीडबैक की प्रक्रिया लगातार जारी रहे।

Dainik Jagran 24-06-2026

फीडबैक से शिक्षा व्यवस्था व परीक्षा प्रणाली बनेगी प्रभावी

रोहड़ू स्कूल का स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने किया दौरा, सर्वांगीण विकास की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहने का किया आह्वान

जागरण संवाद केंद्र, शिमला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने मंगलवार को पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रोहड़ू व आराधना पब्लिक स्कूल का दौरा किया। उन्होंने विद्यालयों की प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन, परिश्रम एवं जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों व खेलकूद व सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी से सर्वांगीण विकास की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया।

रोहड़ू स्कूल में डा. राजेश शर्मा को सम्मानित करता स्टाफ ● जागरण

इसे बाद डा. राजेश शर्मा ने शिक्षकों के साथ बैठक कर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों के समग्र विकास और बोर्ड स्तर पर किए जाने वाले विभिन्न सुधारात्मक उपायों पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षकों से बोर्ड से संबंधित सुझाव व समस्याएं सुनी और कहा कि विद्यालयों से प्राप्त फीडबैक शिक्षा व्यवस्था एवं परीक्षा प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं छात्र-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डा. राजेश शर्मा ने एसडीएम धर्मेश रामौत्रा से शिष्टाचार भेंट की। इससे पहले उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की जन्मतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

पंजाब केसरी
WED,24 JUNE 2026
EDITION: SHIMLA KESARI, PAGE NO. 3

स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने शिक्षकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से किया संवाद

रोहडू, 23 जून (कार्तिक) : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने मंगलवार को रोहडू प्रवास के दौरान पी.एम. श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रोहडू (बालक) तथा आराधना पब्लिक स्कूल रोहडू का दौरा किया।

इस अवसर पर उन्होंने विद्यालयों की प्रात:कालीन सभा में विद्यार्थियों के साथ सहभागिता करते हुए उन्हें शिक्षा, अनुशासन, परिश्रम एवं जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने विद्यार्थियों से सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों तथा खेलकूद एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सर्वांगीण विकास की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। इसके उपरांत डॉ. शर्मा ने शिक्षकों के साथ बैठक कर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों के समग्र विकास तथा बोर्ड स्तर पर किए जा सकने वाले विभिन्न सुधारात्मक उपायों पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने शिक्षकों से बोर्ड से संबंधित सुझाव एवं समस्याएं भी सुनीं तथा कहा कि विद्यालयों से प्राप्त फीडबैक शिक्षा व्यवस्था एवं परीक्षा प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं छात्र-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रोहडू प्रवास के दौरान डॉ. शर्मा ने उपमंडल अधिकारी रोहडू धर्मेश रमोत्रा से भी शिष्टाचार भेंट की।

Divya Himachal 24-06-2026

बोर्ड अध्यक्ष ने रोहड़ू में परखी शिक्षा की नब्ज

शिक्षकों से मांगी फीडबैक पीएमश्री स्कूल और आराधना पब्लिक स्कूल का किया दौरा

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश में शिक्षा के स्तर को और अधिक प्रभावी तथा छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डाक्टर राजेश शर्मा ने रोहड़ू का अहम दौरा किया। अपने इस प्रवास के दौरान उन्होंने न केवल जमीनी स्तर पर स्कूलों की स्थिति का जायजा लिया, बल्कि विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का खाका भी खींचा। अपने दौरे की शुरुआत करते हुए डाक्टर शर्मा ने रोहड़ू स्थित पीएमश्री विद्यालय (बालक) और आराधना पब्लिक स्कूल का निरीक्षण किया। विद्यालयों की प्रात:कालीन सभा में शामिल होकर उन्होंने बच्चों में नई ऊर्जा का संचार किया। शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को अनुशासन, कड़ी मेहनत और जीवन में उच्च लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित किया। छात्रों का उत्साहवर्धन करने के उपरांत डा. शर्मा ने शिक्षकों के साथ एक महत्त्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और विद्यार्थियों के समग्र विकास को लेकर गहन मंथन किया गया। उन्होंने शिक्षकों से बोर्ड की कार्यप्रणाली पर सीधे सुझाव और जमीनी समस्याएं भी सुनीं। प्रवास के दौरान शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने रोहड़ू के उपमंडलाधिकारी (एसडीएम) धर्मेश रमोत्रा से शिष्टाचार भेंट भी की। दोनों अधिकारियों के बीच शिक्षा और जनहित से जुड़े अहम मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। रोहड़ू दौरे के बीच डा. शर्मा ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजनीति के युगपुरुष स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए डा. शर्मा ने कहा कि प्रदेश के संपूर्ण विकास, जनकल्याण और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती में राजा वीरभद्र सिंह का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि स्व. वीरभद्र सिंह का दूरदर्शी नेतृत्व हिमाचल की आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव एक प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

Apka Faisla 24-06-2026

शिक्षा में सुधार और सर्वांगीण विकास पर जोर

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष ने रोहड़ू में परखी शिक्षा की नब्ज

धर्मशाला, रोहड़ू, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश में शिक्षा के स्तर को और अधिक प्रभावी तथा छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (एचपीबीओएसई), धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने रोहड़ू का अहम दौरा किया। अपने इस प्रवास के दौरान उन्होंने न केवल जमीनी स्तर पर स्कूलों की स्थिति का जायजा लिया, बल्कि विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का खाका भी खींचा। अपने दौरे की शुरुआत करते हुए डॉ. शर्मा ने रोहड़ू स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (बालक) और आराधना पब्लिक स्कूल का निरीक्षण किया। विद्यालयों की प्रात:कालीन सभा में शामिल होकर उन्होंने बच्चों में नई ऊर्जा का संचार किया। शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को अनुशासन, कड़ी मेहनत और जीवन में उच्च लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि किताबी ज्ञान के साथ-साथ सकारात्मक सोच, उच्च नैतिक मूल्य और खेलकूद जैसी सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी ही सर्वांगीण विकास की असली कुंजी है। छात्रों का उत्साहवर्धन करने के उपरांत डॉ. शर्मा ने शिक्षकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और विद्यार्थियों के समग्र विकास को लेकर गहन मंथन किया गया। उन्होंने शिक्षकों से बोर्ड की कार्यप्रणाली पर सीधे सुझाव और जमीनी समस्याएं भी सुनीं। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि स्कूलों से मिलने वाला फीडबैक ही परीक्षा प्रणाली और शिक्षा व्यवस्था में बोर्ड स्तर पर बड़े एवं सकारात्मक बदलाव लाने का मुख्य आधार बनेगा। अपने प्रवास के दौरान शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने रोहड़ू के उपमंडलाधिकारी (एसडीएम) धर्मेश रमोत्रा से शिष्टाचार भेंट भी की। दोनों अधिकारियों के बीच क्षेत्र के विकास, शिक्षा और जनहित से जुड़े अहम मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। इस दौरान इस बात पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया कि प्रशासन और शिक्षा विभाग के बीच कैसे बेहतर तालमेल स्थापित कर जनसेवा को और अधिक सुलभ व प्रभावी बनाया जा सके। रोहड़ू दौरे के बीच डॉ. शर्मा ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजनीति के युगपुरुष स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रदेश के संपूर्ण विकास, जनकल्याण और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती में राजा वीरभद्र सिंह का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि स्व. वीरभद्र सिंह का दूरदर्शी नेतृत्व हिमाचल की आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव एक प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

JUNE 24, 2026 WEDNESDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

BEYOND THE BOOKS: HPBOSE CHAIRMAN LAUNCHES AGGRESSIVE DRIVE FOR STUDENT REFORM

The Sunny Times | Dharamshala

In a major push to overhaul the schooling system, Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) Chairman Dr. Rajesh Sharma launched a hands-on inspection tour of Rohru to assess the ground reality of education in the region. Shifting away from bureaucratic routine, the board chief focused on student-centric reforms and direct engagement with local schools.

During his visit, Sharma inspected the PM Shri Government Boys Senior Secondary School and Aradhana Public School. Joining the morning assemblies, he stepped directly into the student circle to motivate youngsters, urging them to aim high and look beyond textbooks. True education, Sharma emphasized, must blend academic knowledge with strict discipline, strong moral values, and active participation in sports to ensure the all-round development of every child.

Turning his attention to classroom delivery, the HPBOSE chief held an intensive brainstorming session with local teachers to identify gaps in the current system. Instead of issuing top-down directives, Sharma invited open feedback and encouraged educators to share their daily grassroots challenges. He made it clear that the board intends to weaponize this raw feedback from teachers to overhaul the examination pattern and drive massive, systematic upgrades across the state's education network.

To ensure these reforms do not stall in red tape, Sharma also held a high-level strategy meeting with Rohru Sub-Divisional Magistrate (SDM) Dharmesh Ramotra. The duo mapped out a blueprint to tighten coordination between the civil administration and the education department, aiming to cut through administrative inertia and deliver faster public services to schools and families.

Adding a poignant note to his official tour, the board chairman paid tribute to the late former Chief Minister Virbhadra Singh on his birth anniversary. Laying a wreath at the leader's statue, Sharma honored his massive legacy, stating that Singh's vision for democratic values and holistic development remains the ultimate blueprint for the state's future generations.